17. चित्र-वर्णन

चित्र-वर्णन विधा द्वारा बच्चों की अवलोकन क्षमता का विकास होता है। किसी चित्र को देखकर उसमें क्या-क्या हो रहा है, यह शब्दों में लिखना या वर्णन करना ही चित्र-वर्णन कहलाता है।

- ❖ अध्यापक/अध्यापिका पाठ पृष्ठ पर दिए चित्र को दिखाकर बच्चों से पूछें कि चित्र में क्या-क्या है तथा कौन क्या कर रहा है। तदुपरांत चित्र का वर्णन पढ़ें-पढ़वाएँ।
- ❖ चित्र वर्णन कैसे लिखना चाहिए, यह भी समझाएँ।
- ❖ अभ्यास के लिए दिए गए चित्र या दृश्य को ध्यान से देखने को कहें। फिर पूछें, चित्र में क्या-क्या है आदि। प्रत्येक बच्चे को बोलने का अवसर दें। मौखिक वर्णन करवाने के बाद लिखित रूप में चित्र वर्णन करने को कहें।